Total No. of Printed Pages : 3 Roll No.....

PJ-101

खगोलिय परिचय एवं फलित ज्योतिष हेतु आरंभिक गणित

फलितज्योतिष में डिप्लोमा/प्रमाणपत्र (डी.पी.जे./सी.पी.जे.-12/16/17)

प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2020

Time Allowed : 2 Hours Maximum Marks : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है। जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल कीजिए।

खण्ड-'क'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड-'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. पंचाङ्ग के पाँचों अंङ्गों का विस्तृत रूप से प्रतिपाद कीजिए।

2. स्वकल्पित उदाहरण द्वारा ग्रह स्पष्ट साधन विधि का उल्लेख कीजिए।

3. भयात एवं भभोग का साधन करते हुए चन्द्रस्पष्ट साधन विधि को लिखिए।

4. दश वर्गों के नाम लिखिए। दशमांश एवं द्वादशांश साधन विधि का प्रतिपादन कीजिए।

5. विंशोत्तरी दशा एवं अन्तर्दशा साधन विधि लिखिए।

खण्ड-'ख'

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड-'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. मेषादि चार राशियों में नक्षत्रों का चरण विभाजन स्पष्ट कीजिए।

2. करणों का परिचय दीजिए।

3. नक्षत्रों का नाम लिखते हुए अभिजित् नक्षत्र का मान उल्लेख कीजिए।

4. चरखण्ड साधन सोदाहरण के द्वारा विवेचन कीजिए।

5. षोडश वर्गों का नाम लिखिए।

6. सप्तविंशाश एवं षोडशांश का वर्णन कीजिए।

7. योगिनी दशा साधन विधि लिखिए।

8. इष्टकाल साधन विधि का वर्णन कीजिए।

****